

कक्षा : छह : गतिविधि

परिचय

पूरक पाठ्यपुस्तक	बाल रामकथा
पाठ	दो वरदान
शीर्षक	नाट्य रस (प्रस्तुति)
समय	दो कालांश
प्रकार	सामूहिक
विद्यार्थी संख्या	चार
कौशल	आत्माभिव्यक्ति, नाटकीयता, नैतिक मूल्य
आवश्यक सामग्री	रंगीन वस्त्र , नाटक के लिए आवश्यक सामान, कार्यपत्र

चरण

शैक्षिक अधिगम :

- विद्यार्थी नाटकीय गुणों को विकसित कर सकेंगे ।
- वे अभिव्यक्ति कला से परिचित हो सकेंगे ।
- वे अपने में नैतिकता का विकास कर सकेंगे ।

अध्यापिका गतिविधि :

- कक्षा के विद्यार्थियों को चार -चार के समूहों में विभाजित किया जाएगा ।
- प्रत्येक समूह को किसी एक ऐसी कहानी का नाटकीय मंचन करने को कहा जाएगा जिसमें यह दर्शाया गया हो कि गलत निर्णय से देश या राज्य की हानि होती है ।
- अध्यापिका विद्यार्थियों को नाटक के अनुकूल आवश्यक सामान एकत्रित करने को कहेंगी । यही प्रक्रिया हर समूह के साथ दोहराई जाएगी ।
- वे विद्यार्थियों को कार्यपत्र पूर्ण करने के लिए देंगी ।

विद्यार्थी गतिविधि :

- कक्षा के विद्यार्थी अपना-अपना समूह चुनेंगे ।
- हर समूह के विद्यार्थी आपस में चर्चा करके अपने संवादों को लिखकर कक्षा में चयनित कहानी का नाटकीय मंचन करेंगे ।
- हर समूह बारी- बारी से अपनी नाट्य प्रस्तुति कक्षा में प्रस्तुत करेगा ।
- विद्यार्थियों कार्यपत्र पूर्ण करेंगे ।

मूल्यांकन के मानदंड :

क्रम संख्या	मूल्यांकन के क्षेत्र	अंक - १०
१	विषय की प्रस्तुति	३
२	प्रभावोत्पादकता	३
३	भाषा का स्तर एवं शुद्धता	२
४	कार्य की पूर्णता	१
५	समयबद्धता	१

कार्यपत्र

पाठ: दो वरदान

गतिविधि : नाट्य रस (प्रस्तुति)

विद्यार्थी का नाम:

अनुक्रमांक:

प्रश्न.1. नीचे दी गई आकृति में आपके द्वारा मंचित नाटक के पात्रों के संवाद लिखिए ।

--

प्रश्न.2. इस नाटक द्वारा प्राप्त सन्देश को अपने शब्दों में लिखिए ।

उत्तर.2 .-----
